अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2026
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/3/1

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2026
प्रश्न पत्र कोड: 3/3/1

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	[खंड - क] (अपठित बोध)	**14**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता फैलाना	1
(ii)	(B) अक्षय ऊर्जा का क्षय न होकर नवीनीकरण होता रहता है।	1
(iii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • प्राकृतिक संपदाओं के अनियंत्रित दोहन पर रोक • पर्यावरण की सुरक्षा • प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता • ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता * दो उपयुक्त कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * कोई एक कारण लिखने पर **अथवा** प्रश्न के संदर्भ में गद्यांश से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • ग्रामीण जीवन की ऊर्जा संबंधी समस्याओं का समाधान • विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण • अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भारत का विश्व में प्रमुख स्थान * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर **अथवा** प्रश्न के संदर्भ में गद्यांश से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक)	2

	---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(A) कथन I सही है।	1
(ii)	(C) दुखों के बदले सुख देना	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • रूढ़ियों को तोड़ समाज को नयी दिशा देना • क्रांति द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • द्वेष करने वालों से भी प्रेम करना • आपसी दूरियों को मिटाना • सबके प्रति समानता का भाव रखना • दीन-दुखियों का साथ देना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक)	2

	---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	**16**
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	मिश्र/मिश्रित वाक्य	1
(ii)	जिसका नाम कैप्टन है; विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½= 1
(iii)	झूरी के दो बैल थे और उन्हें मजबूरन गया के घर जाना पड़ा।/ झूरी के दोनों बैल मजबूर थे इसलिए उन्हें गया के घर जाना पड़ा ।	1
(iv)	जैसे ही शिक्षक आए, वैसे ही पूरी कक्षा कविता का सस्वर पाठ करने लगी।/ ज्यों ही शिक्षक आए, त्यों ही पूरी कक्षा कविता का सस्वर पाठ करने लगी।	1
(v)	बच्चों के समय पर घर नहीं पहुँचने से अभिभावक चिंतित हो उठे।	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	भाववाच्य	1
(ii)	कर्तृवाच्य	1
(iii)	मैं उसका हाल सुन नहीं पाया/पाई।	1
(iv)	नवाब साहब द्वारा/के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।	1
(v)	तुमसे उठा क्यों नहीं गया?/ तुमसे उठा क्यों नहीं जा सका?	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(i)	**दौड़ता है**- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल	½+½=1
(ii)	**खीरों**- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक	½+½=1

(iii)	**तुम्हारी**- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'ईमानदारी' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन	½+½=1
(iv)	**पाँचवीं**- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, क्रमसूचक, 'संतान' विशेष्य, स्त्रीलिंग	½+½=1
(v)	**शाबाश!**- अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रशंसासूचक	½+½=1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	'अतिशयोक्ति अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित; **जैसे**- एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।	1
(ii)	'उपमा अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित; **जैसे**- पीपर पात सरिस मन डोला।	1
(iii)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(iv)	रूपक अलंकार	1
(v)	मानवीकरण अलंकार	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	**30**
7.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(C) परशुराम का दास	1
(ii)	(A) केवल I और II सही हैं।	1
(iii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या **नहीं** करता है।	1
(iv)	(B) व्यंग्यपूर्ण	1
(v)	(B) दोषी स्वयं ही सभा से अलग हो जाए।	1
8.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6

(i)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • विरह व्यथा का बढ़ना • कृष्ण के मिलन की आशा का टूटना • कृष्ण से शिकायत • विवशता • अत्यंत दुख • निराशा (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * उपयुक्त उत्तर न लिखने पर परंतु कविता के आधार पर थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर बिंबों का **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- **बिंब-** • धूल से सना बच्चा मानो झोंपड़ी में खिला हुआ कमल • स्पर्श मात्र से पाषाण हृदय में कोमल भावों का संचार • बच्चे के स्पर्श से कठोर हृदय में शेफालिका के फूलों जैसे कोमल भावों का संचार • दंतुरित मुसकान की मोहक छवि से मानो मृतक में भी प्राणों का संचार * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता के आधार पर थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी कविता के संदर्भ को ध्यान में रखकर प्रेरणा के **दो** बिंदुओं में **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**-	2

	• मनुष्यता • निष्ठापूर्ण योगदान • समर्पण • धैर्य और उत्साह • ईमानदारी • सहयोग (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * उपयुक्त उत्तर न लिखने परंतु कविता के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • मन में उत्साह, उमंग का संचार • प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत मन • उल्लास और मस्ती • प्रसन्नता • कल्पनाशीलता * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * उपयुक्त उत्तर न लिखने परंतु कविता के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(D) I और III दोनों सही हैं।	1

(ii)	(D) दिखावा और संकोच	1
(iii)	(D) आलोचनात्मक और कल्पनाशील	1
(iv)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।	1
(v)	(A) स्वाभिमान का निर्वाह करने के लिए आँखें हटाना	1
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मूर्ति पर हर बार असली चश्मा देखकर; • पानवाले से पूछताछ की * प्रश्न के दोनों हिस्सों का पर्याप्त और उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • समाज में स्वयं और बच्चों को विशिष्ट बनने-बनाने की प्रबल इच्छा • सामाजिक छवि के प्रति सजगता * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो**-**दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-	2

	ध्यान देने योग्य बिंदु : • नियमित अभ्यास • अनुशासन • ईश्वर के प्रति कृतज्ञता • सीखने की ललक • विनम्रता • सद्भावना • संस्कृति के प्रति प्रेम • सादगी और सरलता **ध्यान न देने वाले बिंदु :** • अहंकार • दिखावा • कला के प्रति बेअदबी • कट्टरता • बाहरी रंग-रूप * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए दो-दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (½ +½ +½ +½=2 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए दो बिंदु और दूसरे के लिए एक बिंदु लिखने पर (1.5 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए दो बिंदु और दूसरे के लिए कोई बिंदु नहीं लिखने पर अथवा प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए एक बिंदु **अथवा** प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी बालगोबिन भगत पाठ के आधार पर **चार** उपयुक्त बिंदुओं में टिप्पणी लिखेंगे-	2

	• मँझोला कद • गोरे-चिट्टे • पके बाल, लंगोटी, कनफटी टोपी, काली कमली, रामानंदी चंदन, तुलसी की माला • कबीरपंथी • खरा व्यवहार • प्रगतिशील • मधुर गायन • नेम-व्रत के पक्के • संवेदनशील • शांत स्वभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * चार बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (½ +½ +½ +½=2 अंक) ---------- * तीन बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1.5 अंक) ---------- * दो बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * एक बिंदुओं में उत्तर लिखने पर अथवा पाठ से बालगोबिन भगत के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर सामाजिक परिवेश के प्रभाव के **चार** उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे- **खेलों पर सामाजिक परिवेश का प्रभाव :** • खेती-बाड़ी से जुड़े खेल (चबूतरे को खेत बनाना, कंकड़ के बीज, लड़कों का बैल बनना) • दुकानदारी से जुड़े खेल (प्राकृतिक साधनों से मिठाई की दुकान लगाना जैसे - गीली मिट्टी की जलेबी, फूटे घड़े के बताशे) • भोज/दावत से जुड़े खेल (पानी का घी, धूल का पिसान, बालू का चीनी के रूप में प्रयोग)	4

	• बरात से जुड़े खेल (कनस्तर का तंबूरा, टूटी चूहेदानी से पालकी बनाना) • खेलगीत : खेलते समय प्रचलित खेलगीतों को गाना • ग्रामीण परिवेश : खेलों की सामग्री घरेलू और प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित * सामाजिक परिवेश के प्रभाव के चार उपयुक्त उदाहरण लिखने पर (1+1+1+1= 4 अंक) ---------- * तीन उपयुक्त उदाहरण लिखने पर (3 अंक) ---------- * दो उपयुक्त उदाहरण लिखने पर अथवा प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न लिख पाने परंतु पाठ के संदर्भ में बच्चों के खेलों का वर्णन करने (2 अंक) ---------- * एक उपयुक्त उदाहरण लिखने पर अथवा प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न लिख पाने परंतु खेलों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए पाठ में वर्णित किन्हीं **दो** दृश्यों को लिखेंगे- **दृश्य :** • गैंगटोक/गंतोक शहर की जगमगाती रात का दृश्य • हिमालय का विराट स्वरूप- बादलों से घिरी बर्फीली चोटियाँ • फूलों से भरी सुंदर, चौड़ी, गहरी घाटियाँ/वादियाँ • दूध की धार की तरह गिरते जल-प्रपात • कल-कल बहती चाँदी की तरह चमकती नदियाँ • पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाने वाली महिलाओं का दृश्य • तिस्ता नदी का शांत, निर्मल और मखमली हरियाली के बीच कलकल बहना • सेवेन सिस्टर्स वॉटर-फॉल का दृश्य • यूमथांग के मार्ग पर धुंध, बादलों से घिरा रोमांचक दृश्य • सीमा पर कड़कड़ाती ठंड में पहरा देते फौजियों का दृश्य • विद्यालय जाते बच्चों का दृश्य (अन्य उपयुक्त दृश्यों का वर्णन भी स्वीकार्य)	4

	प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उल्लिखित दृश्यों से प्रभावित होने के उपयुक्त **स्वतंत्र** कारण देंगे; **जैसे** - • तिस्ता नदी के किनारे बैठकर लेखिका ने जो देखा, उससे प्रकृति से एकात्मता महसूस करना • स्त्रियों के कठोर श्रम और पहाड़ के जीवन की कठिनाइयों का मन पर प्रभाव • विद्यालय जाते बच्चों की चुनौतियों का प्रेरणादायक प्रभाव * प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2=4 अंक) --- * किसी एक हिस्से का अपूर्ण और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) --- * केवल पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा पहले हिस्से का उत्तर न लिखने तथा दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) --- * पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त कारण लिखेंगे- **कारण :** • अनुभव बाह्य होता है जबकि अनुभूति आंतरिक • अनुभूति से जागृत संवेदना के कारण लेखन की व्याकुलता • अनुभूतिजन्य लेखन के द्वारा आभ्यंतरिक विवशता से मुक्ति • श्रेष्ठ रचना या कृति अनुभूति से ही संभव (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य) प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी, क्योंकि वह प्रामाणिक होता है। अथवा • अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभूति आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि अनुभूति की प्रबलता से अन्य लोगों के अनुभव भी स्व-अनुभूत किए जा सकते हैं। * प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2=4 अंक)	4

	---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से का उपयुक्त और दूसरे हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर देने पर अथवा पाठ के आधार पर अनुभव/अनुभूति को स्पष्ट करने पर अथवा अनुभव/अनुभूति के लेखन पर पड़ने वाले प्रभाव पर **स्वतंत्र** विचार व्यक्त करने पर (2 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर **अथवा** अनुभव/अनुभूति के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	**20**
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	6
13. (i) अथवा (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक	5

	• विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने, सेवा में आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	
14. (i)

	विशेष निर्देश : • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर • शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
15. (i)

	• उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	